साप्ताहिक

Title Code:- MPHIN/36648

नर्मदा समय

वर्ष : 01 अंक : 01 | इटारसी , सोमवार 12 दिसम्बर से 18 दिसम्बर-2022 | पृष्ठ : 0 8 मूल्य : 0 5 रुपए

पांच बर्तन और दो मासूम के संग प्रारम्भ किया इटारसी से संघर्ष डॉ शशि प्रभा वर्मा ने

मरणोपरांत इन्हें एक्यूप्रेशर पद्धति में मिला सर्वोच्च सम्मान

नितिन श्रीवास, इटारसी।

वर्ष 1972 में बसंत कुमार वर्मा पशु चिकित्सक (पोहरा, अमरावती) संग डॉ शशि प्रभा परिणय सूत्र में बंधी। नर्मदापुरम निवासी डॉ शशि प्रभा ने एक्यूप्रेशर पाठ्यक्रम के साथ सोशियोलॉजी विषय से मास्टर ऑफ आर्ट की उपाधि हासिल की। भगवान को शायद कुछ और ही मंजूर था। महज 8 वर्ष ही इनका वैवाहिक जीवन रहा। वर्ष 1981 में सिवनी मालवा से बतौर स्वास्थ्य सेवायें प्राप्त हुई । यह एक पीपे में पांच बर्तन और 6 वर्षीय पुत्र और 8 वर्षीय पुत्री के साथ नर्मदापुरम से सिवनी मालवा चली आई। इन्हें इनके कार्यों के बेहतर प्रयास पर 1996 मैं जेएसआर नर्सिंग ट्रेनिंग सेंटर में हेल्थ ट्विटर के पद पर प्रमोशन मिला। पति

की मृत्यु और इस प्रमोशन के कारण इन्होंने सिवनी मालवा छोड़ना बेहतर समझा। इस दौरान ड्यूटी के बाद भी एक्यूप्रेशर विधि का प्रचार प्रसार करना शुरू कर दिया। पीड़ित लोगों की निशुल्क सेवा मदर टेरेसा को आदर्श मानकर इन्होंने शुरू कर दी। लाइफ लाइन एक्यूप्रेशर संस्था के माध्यम से लोगों को असाध्य रोगों से मुक्ति और बच्चों की परवरिश में पूरा जीवन व्यतीत कर दिया। लकवा एवं साइटिका के मरीजों के लिए यह विधि वरदान साबित होने पर इनकी ख्याति दिनोंदिन बढ़ती गई। एक्यूप्रेशर थैरेपिस्ट के डिप्लोमा के लिए उन्होंने बच्चों को पारंगत किया। उन्होंने 106 लोगों को इस विधा में प्रशिक्षण भी दिया। उनकी इस मेहनत से रानी अवन्ति हेल्प लाइन संस्था द्वारा हायर सेकंडरी विद्यालय एवं लाइफ लाइन पैरामेडिकल संस्था का निर्माण हुआ । इन्होंने एक्यूप्रेशर पद्धति के निशुल्क चिकित्सा शिविर के माध्यम से 11445 साध्य असाध्य रोगियों का सफल इलाज किया। इन्हें समाज सेवा में एक्यूप्रेशर रत्न एवं गोल्ड मैडल अवार्ड से सम्मानित भी किया गया। मरणोपरांत डॉ शशि प्रभा वर्मा को 12 दिसंबर 2022 को एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति में उल्लेखनीय योगदान के लिए इंस्टिट्यूट आफ हॉलिस्टिक मेडिसिन इंदौर के डॉ सुधीर खेतावत द्वारा सर्वोच्च सम्मान एक्यूप्रेशर सेवा रत्न प्रदान किया गया है। इनके सुपुत्र डॉ प्रताप सिंह वर्मा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के महासम्मेलन में मेरी माँ को सम्मानित करना नर्मदापुरम जिले के लिए गौरव की बात है।

अब तक यह मिल चुके सम्मान

स्वर्गीय डॉ शशी प्रभा ने इटारसी में अपने कार्यों की बदौलत अमिट पहचान स्थापित की। इन्हें एक्यूप्रेशर अकादमी, लायंस क्लब, नगरपालिका, लोधी समाज, दिगंबर अखाड़ा जैसे तमाम संस्थाओं ने सम्मानित किया है।

जन्म और मरण तिथि में कोई अंतर नहीं

2 मई 1952 को जन्मी डॉ शशि ने शायद सपने में कल्पना भी ना की थी की जन्म और मृत्यु की तिथि में कोई खास अंतर होगा। 1 मई 2021 को इन्होंने अपने कार्यों से दूसरों को प्रेरित कर कोरोना से कमजोरी आने पर अंतिम सांस ली।

भारतीय संस्कृति से प्रभावित दंपत्ति ने इटारसी की बच्ची को लिया गोद

5 वर्ष पहले बेंगलुरु से एक लड़के को किया था एडॉप

नितिन श्रीवास, इटारसी।

माता-पिता की जीवन भर सेवा जैसी भारतीय संस्कृति से प्रभावित होकर प्रांत की एक दंपत्ति ने इटारसी के एक बालिका गृह की बच्ची को गोद लेने का निर्णय लिया है। सितंबर 2021 में फ्रांस के मालटिज़ा शहर निवासी डेनिस एवं स्टेफना दंपत्ति ने वर्ल्ड स्तरीय संस्था कारा से अनुमति लेकर इटारसी की मुस्कान बालिका गृह की बच्ची को गोद लेने की प्रक्रिया प्रारंभ की। पिछले दिनों से यह दंपत्ति इटारसी के आनंदम गेस्ट हाउस में ठहरी है। सोमवार को सारे कागजात तैयार होने के बाद कलेक्टर मैं फ्रांस के इस दंपत्ति को मुस्कान

संस्था इटारसी से ले जाने की अनुमति दे दी है। बता दें कि इस दंपत्ति का खुद का एक 18 वर्षीय पुत्र भी है। अंग्रेजी कल्चर के कारण भारतीय बच्चों की ताउम्र गार्जियन की सेवा भाव से यह काफी प्रभावित है।

चित्रकला, शतरंज में पारंगत है बच्ची

वर्ष 2009-10 में मुस्कान बालिका गृह में आई यह बालिका चित्रकला और शतरंज में पारंगत है। आठवीं कक्षा की यह छात्रा अब फ्रांस के स्कूल में आगे की पढ़ाई करेगी। संचालिका ऋतुराज राजपूत ने बताया कि मनीष ठाकुर एवं अमृता ठाकुर छह माह की आयु से ही इसके पालक रहे हैं। इसकी टीचर बनने की इच्छा है।

9 माह से मुस्कान से हो रही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

सितंबर 2021 में कारा की अनुमति के बाद से पिछले 9 माह से उक्त दंपति की मुस्कान से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की प्रक्रिया चल रही है। प्रत्येक रविवार यह कॉल का सिलसिला चलता रहता है।

न्यास कॉलोनी में होगा भव्य विदाई समारोह

डायरेक्टर मनीष ठाकुर के निर्देशन में महादेव सुंदरम जनकल्याण शिक्षण समिति मुस्कान बालिका गृह में बच्ची के विदाई समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अनुमति मिल गई है। 16 दिसंबर को विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। 17 दिसंबर को बच्ची को लेकर फ्रांस के दंपत्ति रवाना होंगे।

कलेक्टर ने दी अनुमति

इस संबंध में कलेक्टर नीरज सिंह ने बताया कि सारे कागजात की जांच करने के उपरांत फ्रांस के नागरिकों को मुस्कान संस्था इटारसी से बच्ची को लेकर जाने की अनुमति दे दी गई है।

एम वाय हॉस्पिटल के संगठनों ने अस्पताल की साख गिराने की कोशिशों पर जताई चिंता

डीन को संभागायुक्त के नाम दिया ज्ञापन

इंदौर। इंदौर के महाराजा यशवंतराव हॉस्पिटल के कर्मचारी संगठनों ने संभागायुक्त के नाम एक ज्ञापन डीन को सौंपा है जिसमें कतिपय तत्वों द्वारा अपने स्वार्थ के लिए अस्पताल की छवि को धूमिल करने के प्रयासों पर चिंता जताई है और रोगियों की सेवा के प्रति संकल्प को दोहराया है। संगठन प्रमुखों ने ज्ञापन में कहा है कि संयुक्त संचालक व अधीक्षक सभी चिकित्सकों और अधिकारी-कर्मचारियों के साथ बेहतर तालमेल बनाकर अपने कर्तव्य का पालन कर रहे हैं। इसी के चलते एम वाय अस्पताल में बड़ी संख्या में ब्लैक फंगस जैसी जानलेवा बीमारी के मरीजों का प्रभावी ढंग से इलाज़ संभव हो सका।

संपादकीय

दागी नुमाइंदे

सार्वजनिक रूप से वे और उनके नेता चाहे कितने भी दावे करें कि वे राजनीति को स्वच्छ बनाने के लिए काम करेंगे, लेकिन मौका मिलते ही वे भी इस बात का खयाल रखना जरूरी नहीं समझते कि अपराध के आरोपी या आपराधिक पृष्ठभूमि वाले किसी व्यक्ति को उम्मीदवार बनाने से कौन-सी परंपरा मजबूत होगी। गौरतलब है कि दिल्ली नगर निगम चुनावों में जीते पार्षदों के संदर्भ में 'एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स' यानी एडीआर और 'दिल्ली इलेक्शन वाच' की ओर से जारी एक रिपोर्ट में यह बताया गया है कि दो सौ अड़तालीस विजेताओं में से बयालीस यानी सत्रह फीसद निर्वाचित पार्षद ऐसे हैं, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके अलावा, उन्नीस पार्षद गंभीर आपराधिक मामलों के आरोपी हैं। विडंबना है कि यह प्रवृत्ति कम होने के बजाय हर अगले चुनाव में और बढ़ती ही दिख रही है। सवाल है कि आए दिन राजनीतिक परिदृश्य को एक स्वच्छ और नई छवि देने से लेकर ईमानदारी का दावा करने वाली पार्टियों और उनके नेताओं के लिए चुनावों के आते ही यह सवाल महत्त्वहीन क्यों हो जाता है! देश के कुछ अन्य राज्यों में जब स्थानीय स्तर पर राजनीति में अपराधियों के दखल को लेकर चिंता जताई जाती है तो उम्मीद बंधती है कि कम से कम राजधानी दिल्ली में नई शुरुआत होगी। लेकिन पिछले कई सालों से होने वाले चुनावों में यह देखा गया है कि यहां भी वही प्रवृत्ति हावी होती जा रही है। दिल्ली में फरवरी, 2020 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भी एडीआर ने अपने विश्लेषण में चुने गए कम से कम आधे विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज पाए थे। इसमें मुख्य रूप से आम आदमी पार्टी के विधायक थे। अब दिल्ली नगर निगम के चुनावों में भी किसी पार्टी ने उम्मीदवार बनाने के लिए स्वच्छ छवि के व्यक्ति को तरजीह देने की जरूरत नहीं समझी। नतीजतन, जनकल्याण के नारे और वादे के साथ जो उम्मीदवार जीत कर पार्षद बने हैं, वे खुद गंभीर अपराधों के आरोपों से जूझ रहे हैं। दरअसल, जब भी राजनीति के अपराधीकरण का मुद्दा बहस का केंद्र बनता है तो अमूमन सभी दलों की ओर से बढ़-चढ़ कर इसके खिलाफ अभियान चलाने और इसे खत्म करने के दावे किए जाते हैं। लेकिन जब चुनाव आता है तो वही राजनीतिक पार्टियां आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों या फिर अपराध के आरोपियों को उम्मीदवार बनाने में कोई हिचक नहीं महसूस करती हैं। अफसोसनाक यह है कि इसमें वैसी पार्टियां भी शामिल हैं, जिनका राजनीति में उदय ही भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे के खिलाफ अभियान चलाने से हुआ। लोगों को यह उम्मीद थी कि वे राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त एक नया चेहरा देंगी। लेकिन ऐसा लगता है कि लगभग सभी पार्टियों ने यह मान लिया है कि राजनीति में आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों के बिना काम नहीं चल सकता। वरना क्या वजह है कि ईमानदार और प्रतिबद्ध आम लोगों से लेकर कार्यकर्ताओं तक की एक शृंखला होने के बावजूद किसी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को जनता का प्रतिनिधि चुने जाने के लिए स्वच्छ छवि को एक अनिवार्य शर्त बनाना जरूरी नहीं लगता।

कुपोषण की चुनौती और मोटा अनाज

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि देश में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए और सरकार ने कोरोना महामारी के दौरान लोगों तक जिस तरह मुफ्त अनाज पहुंचाया, वह व्यवस्था जारी रहनी चाहिए। ऐसे में निश्चित रूप से मोटे अनाज का उत्पादन और वितरण बढ़ा कर देश में भूख और कुपोषण की चुनौती का सामना और यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि देश का कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोएगा। इस समय जब देश में भूख और कुपोषण की चुनौतियां उभर रही हैं, तो अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष (इंटरनेशनल मिलेट्स ईयर) 2023 के व्यापक प्रचार-प्रसार से मोटे अनाज के अधिक उत्पादन और वितरण से इस चुनौती से पार पाने की संभावनाएं भी दिखाई दे रही हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रकाशित 'द स्टेट आफ फूड सिक्योरिटी ऐंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड रिपोर्ट-2022' के अनुसार 2021 में भारत की 22.4 करोड़ आबादी कुपोषण और भूख का सामना कर रही थी, तो दुनिया में कुपोषण की चुनौती का सामना करने वाले लोगों की कुल संख्या 76.8 करोड़ थी। विभिन्न वैश्विक रिपोर्टों के मुताबिक, इस कुपोषित आबादी की थालियों में मोटे अनाज बढ़ा कर कुपोषण कम करने की डगर पर आगे बढ़ा जा सकता है। गौरतलब है कि मोटे अनाजों को पोषण का शक्ति केंद्र कहा जाता है। पोषक अनाजों की श्रेणी में ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी, चीना, कोदो, सावां, कुटकी, कुट्टू और चौलाई प्रमुख हैं। मोटे अनाज किसान हितैषी फसलें हैं। इनके उत्पादन में पानी की कम खपत और कम कार्बन उत्सर्जन होता है। ये सूखे वाली स्थिति में भी उगाई जा सकती हैं। मोटा अनाज सूक्ष्म पोषक तत्त्वों, विटामिन और खनिजों का भंडार है। छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पोषण में विशेष लाभप्रद हैं। शाकाहारी खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के दौर में मोटा अनाज वैकल्पिक खाद्य प्रणाली प्रदान करता है। इनकी खेती सस्ती और कम जोखिम वाली होती है। मोटे अनाजों का भंडारण आसान है और ये लंबे समय तक संग्रह योग्य बने रहते हैं देश में कुछ दशक पहले तक सभी लोगों की थाली का एक प्रमुख भाग मोटे अनाज हुआ करते थे। फिर हरित क्रांति और गेहूं-चावल पर हुए व्यापक शोध के बाद गेहूं-चावल का हर तरफ अधिकतम उपयोग होने लगा। मोटे अनाजों पर ध्यान कम हो गया। हालांकि तकनीक और अन्य सुविधाओं के दम पर पांच दशक पहले की तुलना में प्रति हेक्टेयर मोटे अनाजों की उत्पादकता बढ़ गई है, लेकिन इनका रकबा तेजी से घटा और इनकी पैदावार कम हो गई है। इनका उपभोग लगातार कम होता गया है। स्थिति यह है कि कभी हमारे खाद्यान्न उत्पादन में करीब चालीस प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले मोटे अनाज की हिस्सेदारी इस समय दस प्रतिशत से भी कम हो गई है। ऐसे में देश में करोड़ों लोगों के लिए पोषण युक्त आहार की व्यवस्था सुनिश्चित करना जरूरी है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत देश की लगभग दो तिहाई आबादी सबसिडी वाले खाद्यान्न प्राप्त करने की हकदार है। सभी पात्र परिवारों को तीन रुपए किलो चावल, दो रुपए किलो गेहूं और एक रुपए किलो की दर से मोटे अनाज का वितरण आवश्यक है। इसके अलावा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के लिए भी अनाज का एक बड़ा भाग उपभोग में आ रहा है। चूंकि गेहूं और चावल की तुलना में मोटे अनाज में पोषक तत्त्व अधिक हैं और ये किसान हितैषी फसलें हैं, इसलिए इनका अधिक उत्पादन और वितरण किया जाना कुपोषण को दूर करने में काफी मददगार साबित होगा। भारत के अधिकांश राज्य एक या अधिक मिलेट (मोटा अनाज) उगाते हैं। खासकर अप्रैल 2018 से सरकार देश में मोटे अनाज का उत्पादन बढ़ाने के लिए 'मिशन मोड' में काम कर रही है। मोटे अनाज के न्यूनतम समर्थन मूल्य में राहतकारी वृद्धि की गई है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत मोटे अनाज घटक चौदह राज्यों के दो सौ बारह जिलों में क्रियान्वित किया जा रहा। इन्हें उगाने के लिए किसानों को अनेक सहायता दी जाती है। देश में मिलेट मूल्यवर्धित शृंखला में पांच सौ से अधिक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। मोटे अनाज के वैश्विक उत्पादन में भारत का हिस्सा करीब चालीस फीसद है। इनके उत्पादन और निर्यात में पूरी दुनिया में भारत पहले स्थान पर है। देश में मोटा अनाज उत्पादन के शीर्ष राज्य राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात और मध्यप्रदेश में इनके उत्पादन के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। निश्चित रूप से अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के तहत सरकार की यह रणनीति होनी चाहिए कि जिस तरह पिछले चार-पांच दशक में अन्य नकदी फसलों को बढ़ावा देने के कदम उठाए गए हैं, वैसे ही कदम मोटे अनाजों के संदर्भ में भी उठाए जाएं। जब किसानों को भरोसा होगा कि उन्हें मोटे अनाजों की उपज का सही दाम मिल सकता है, तो निस्संदेह वे मोटे अनाज की खेती के लिए भी प्रोत्साहित होंगे हैं। अब सरकारी खरीद में मोटे अनाज की हिस्सेदारी और न्यूनतम समर्थन मूल्य भी बढ़ाना होगा। देश के कृषि अनुसंधान संस्थानों द्वारा मोटे अनाजों पर लगातार शोध बढ़ाना और अधिक उपज के लिए बायो फर्टिलाइज तकनीक का अधिक उपयोग करना होगा। मोटे अनाजों को लोकप्रिय बनाने के लिए इनसे नूडल्स, कुरकुरे आदि बनाने की दिशा में भी अधिक काम करना होगा, जिससे मोटे अनाजों के बाजार का विस्तार होगा। किसान इनकी खेती के लिए अधिक प्रोत्साहित होंगे। खासकर देश और दुनिया में कुपोषण की चुनौती को दूर करने के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और खाद्यान्न की कीमतों के नियंत्रण में मोटे अनाज की महत्त्वपूर्ण भूमिका बनानी होगी। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से आम आदमी तक गेहूं और चावल की तुलना में मोटे अनाज की अधिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मोटे अनाजों की सरकारी खरीद बढ़ानी और इनके निर्यात को बढ़ाने की नई रणनीति बनानी होगी। निस्संदेह बढ़ते वैश्विक कुपोषण और भूख संकट के दौर में भारत में भूख और कुपोषण की चुनौती को कम करने में मोटे अनाजों की अधिक आपूर्ति के साथ कई और बातों को भी ध्यान में रखा जाना होगा। देश में गरीबों के सशक्तिकरण की कल्याणकारी योजनाओं के अधिक विस्तार, कृषि क्षेत्र में सुधार तथा खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के नए कदम जरूरी होंगे। अब केंद्र सरकार द्वारा गरीबों, किसानों और कमजोर वर्ग के करोड़ों लोगों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से अधिक नकद धन हस्तांतरित किया जाना लाभप्रद होगा। सरकारी योजनाओं के और अधिक लाभ डीबीटी से लाभार्थियों तक पहुंचने से गरीबों का सशक्तिकरण होगा और कुपोषण की चुनौती कम होगी। सरकार द्वारा सामुदायिक रसोई की व्यवस्था को मजबूत बना कर उन जरूरतमंदों के लिए भोजन की कारगर व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी, जिन्हें सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का लाभ नहीं मिल पा रहा है। साथ ही देश में बहुआयामी गरीबी, भूख और कुपोषण खत्म करने के लिए पोषण अभियान-2 को पूरी तरह कारगर और सफल बनाना होगा। उम्मीद है कि भारत जी-20 की अध्यक्षता करते हुए अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के उद्देश्यों और लक्ष्यों के मद्देनजर देश और दुनिया में मोटे अनाजों के लिए जागरूकता पैदा करने में सफल होगा और इससे मोटे अनाज का वैश्विक उत्पादन और वैश्विक उपभोग बढ़ेगा। इससे एक बार फिर मोटे अनाज को देश और दुनिया के अधिकांश लोगों की थाली में अधिक जगह मिलने लगेगी तथा देश और दुनिया के करोड़ों लोगों को भूख और कुपोषण की चुनौतियों से बाहर लाने में सफलता मिल सकेगी।

संगठन विस्तारीकरण एवं सुदृढ़ीकरण , बूथ सशक्तिकरण, एवम संगठन समन्वय को लेकर भाजपा नगर मंडल आमला की वृहद बैठक का हुआ आयोजन

बैठक में भाजपा नगर मंडल , विभिन्न मोर्चा समेत बुथ पदाधिकारिगण रहे उपस्थित

भाजपा जिला अध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे वरिष्ठ नेता मुकेश खंडेलवाल ने किया संबोधित

भाजपा जिला अध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला आमला सारणी विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे, भाजपा वरिष्ठ नेता मुकेश खंडेलवाल, की गरिमामयी उपस्थिति में जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र गढेकर, किसान मोर्चा ज़िला अध्यक्ष महेश्वर सिंह चंदेल , युवामोर्चा जिला अध्यक्ष भास्कर मगरदे , अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष सीताराम चाडोकार जनपद पंचायत अध्यक्ष गणेश यादव के पर्यवेक्षण एवम भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष रामकिशोर देशमुख की अध्यक्षता में मंडल , विभिन्न मोर्चे समेत बुथ पदाधिकारियों की वृहद बैठक का आयोजन किया गया बैठक के शुभारंभ के अवसर पर वरिष्ठ जनों के द्वारा भारतीय जनता पार्टी के आदर्श पुरुष पं दीनदयाल उपाध्याय एवम डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कामकाजी बैठक की शुरुआत हुई। भाजपा जिला अध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला द्वारा मंडल के कार्यकर्ता पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए संगठन विस्तारीकरण एवं सुदृढ़ीकरण बूथ सशक्तिकरण, एवम संगठन समन्वय एवम प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार पूर्वक आपने विचार रखे। उन्होंने कहा की बूथ भाजपा की सबसे छोटी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण संगठनात्मक इकाई है। आने वाले चुनाव ,बूथ मजबूत कर सक्रिय संगठन के बल पर जीतना है। भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को दायित्ववान कार्यकर्ता के भांति दिए कार्यों को पूर्ण निष्ठा एवम समर्पण के साथ पूरा कराना चाहिए। भाजपा नीत राज्य शासन एवं केंद्र शासन की अंत्योदय पर केंद्रित अनेकों जन हितैषी योजनाओं द्वारा लाभान्वित हितग्राहियो से संपर्क कर राज्य शासन एवं केंद्र शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओ का बुथ स्तर पर व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित करना है। भाजपा के वरिष्ठ नेता मुकेश खंडेलवाल ने आपने संबोधन में कहा के सभी मोर्चों समेत मंडल की सयुक्त बैठकों से संगठन में समन्वय एवम एकरूपता आती है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता सैनिक की भूमिका में है जो राष्ट्र के हित एवम विजय के लिए सतत कार्य करता है। क्षेत्रीय विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे ने आपने संबोधन में कहा की भाजपा जिला अध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला के नेतृत्व में संगठन विस्तारीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से सम्पूर्ण जिले के प्रत्येक मंडल की सभी संगठनात्मक इकाई की सयुक्त बैठक की पहल अभिनव है भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को आगामी विधानसभा, लोकसभा चुनाव के लिए अभी से कमर कसनी है ताकि भाजपा को सर्वदा विजय बनाए रखे। हमे भाजपा की लोक हितैषी एवम जनकल्याणकारी योजनाओं के बल पर सकारात्मक एवम सृजनात्मक मुद्दों को जन जन तक पहुंचा कर विजय श्री प्राप्त करनी है ना की विपक्ष की तरह झूठ एवम नकारात्मक प्रचार के माध्यम से। भाजपा जिले के विभिन्न मोर्चा जिला अध्यक्षों के द्वारा संबधित मोर्चो के पदाधिकारी गणों से संगठन की स्थिति, गतिविधियों पर चर्चा कर आगामी गतिविधियों एवम कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला।

सांसद प्रतिनिधि मनोनीत होने पदाधिकारियों ने किया अभिनंदन-

वरिष्ठ भाजपा नेता ओमप्रकाश मालवीय का नगर पालिका परिषद आमला में सांसद प्रतिनिधि मनोनीत होने पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष रामकिशोर देशमुख के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने पुष्पमाला पहनकर अभिनंदन किया एवम बधाई दी। भाजपा नगर मंडल आमला की वहद कामकाजी बैठक में भाजपा वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश मालवीय चिरोजी पटेल, अशोक नागले , हरि यादव जिला पंचायत सदस्य देवकी यादव, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सुषमा नरवरे समेत जिला ,मंडल पदाधिकारीगण कार्यकारणी सदस्य सभी मोर्चा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पदाधिकारी, बुथ अध्यक्ष महामंत्री, बी एल ए समेत वरिष्ठ कार्यकर्ता पदाधिकारीगण, गण एवं कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

निजी स्कूल और दुकान संचालको के बीच कमीशन के खेल में अभिभावक की जेब खाली, शिक्षा विभाग की अनदेखी

आमला। ठंड बढ़ते ही निजी आमला के स्कूलों की मनमानी शुरू हो गई है। किताबों और यूनिफॉर्म के बाद अब गर्म कपड़ों के मामले में भी स्कूलों की मनमानी देखी जा रही है।स्कूल का मोनो लगने के बाद साधारण ट्रैक सूट की कीमत भी ब्रांडेड कपड़े से भी ज्यादा महंगी हो जाती है। कमीशनखोरी के खेल के चलते मार्केट में किसी दूसरी दुकान पर स्कूली बच्चों के गर्म कपड़े नहीं मिल रहे। इस कारण अभिभावकों को मजबूरन स्कूल द्वारा बताई गई दुकान से ही गर्म कपड़े खरीदना पड़ रहे हैं। स्कूलों और दुकान संचालकों के कमीशन के खेल में अभिभावक की जेब खाली हो रही है। स्कूलों में अभिभावकों को ट्रैक सूट, स्वेटर या ब्लेजर का न तो कलर बताया जा रहा है न डिजाइन। बस उन्हें दुकान का नाम बताया जाता है। जहां से उन्हें यह खरीदना है। हर स्कूल की एक निश्चित दुकान है। उसी दुकान से दोगुना दाम देकर गर्म कपड़े लेना पड़ रहा हैं। स्कूल स्वेटर, ट्रेक सूट और ब्लेजर कमीशन वाली दुकानों पर कई गुना महंगे दामों में मिल रहे हैं।

मनमाने ढंग से फीस निर्धारित फिर भी कमीशन का खेल-

मनमाने ढंग से फीस निर्धारित करने वाले निजी स्कूल संचालकों ने नया सत्र प्रारंभ होते ही ड्रेस, जूता, मोजा के साथ ही किताबें और पाठ्यक्रम के नाम पर कमीशनखोरी का खेल जारी है। बेहतर शिक्षा के के नाम पर अभिभावकों को लूटा जा रहा है। स्कूल संचालकों ने कहीं कापी-किताबों और ड्रेस के लिए कोई एक दुकान से सेटिंग कर रखी है तो कहीं खुद स्कूल से बांट रहे हैं। फीस बढ़ाकर तो जेब भरी ही जा रही है, कापी-किताब और ड्रेस से भी मोटी कमाई की जा रही है। इन स्कूल संचालकों पर जिला प्रशासन का किसी तरह का कोई अंकुश नहीं है। निजी स्कूलों में अच्छी शिक्षा और व्यवस्था का लालीपॉप देकर अभिभावकों को ठगा जा रहा है। फीस निर्धारण में मनमानी करने वाले स्कूल संचालकों ने चालू शिक्षासत्र में फीस में इजाफा कर दिया है। स्कूलों में फीस के साथ किताबों के दामों में बढ़ोत्तरी से अभिभावक परेशान हैं। अभिभावक कर्ज से बच्चों का दाखिला करवा रहे हैं। प्राइवेट स्कूलों द्वारा फीस के नाम पर किए जाने वाली मनमानी के खिलाफ शिक्षा विभाग की कुछ बोलने के बजाय मुंह बंद कर रखा है। निजी स्कूल संचालकों से कोई यह पूछने वाला नहीं कि आखिर किसके नाम पर इतनी भारी भरकम एडमीशन के नाम वसूली जा रही है।

इनका कहना है

आमला के निजी विद्यालय द्वारा बच्चों के यूनिफॉर्म किताबें एक निश्चित दुकान से घर खरीदी जा रही है तो हमारे द्वारा उचित कार्यवाही निजी विद्यालयों पर की जाएगी

मनीष धोटे
समन्वयक जनपद शिक्षा केंद्र आमला

साइबर ठगी का सबसे नया तरीका

वॉट्सएप/मैसेंजर पर वीडियो कॉल के माध्यम से ब्लैकमेलिंग

टीकमगढ़। रात को अंजान नंबर से व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर कोई लड़की अश्लील हरकतें करने लगे। कॉल कटनें के बाद एक वीडियो मिले, जिसमें आपका अश्लील वीडियो हो। वीडियो डिलीट करने हेतु वो आपसे पैसे की डिमांड करे। व्हाट्सएप पर आपका अश्लील वीडियो बनाकर ठगों द्वारा गूगल पे/ पेटीएम या अन्य माध्यम से पैसों की मांग की जाएगी।आपके द्वारा पैसा नहीं देने पर वो अश्लील वीडियो को सोशल मीडिया या आपके परिचितों के बीच वायरल करने की धमकी देंगे। अगर आपने गलती से पैसा दे दिए तो आपसे और पैसे की डिमांड करेंगे। डीप फेक टेक्नोलॉजी एवं फेक बैंक अकाउंट का इस्तेमाल करके यह सब हो रहा है। इसे अंजाम देने वाला गैंग पूरे देश में सक्रीय हैं,नए उम्र के लड़के और लड़कियां ब्लैकमेलिंग के इस धंधे में जोर-शोर से लगे हुए हैं।ये साइबर अपराधियों का नया मॉड्यूल है,ये देर रात ऑनलाइन रहने वाले नंबरों पर नजरें गड़ाए रखते हैं। उनके बारे में कई जानकारियां इकट्ठा करते हैं। सारी जानकारी मिलने के बाद शुरू होता है फोन का खेल। फोन व्हाट्सएप या मैसेंजर पर आता है, जिसमें नंबर फ्लैश नहीं करता।वीडियो कॉल वाली लड़की बताती है कि वो हाईप्रोफाइल है और दोस्ती करना चाहती है। उसका मकसद आपको ज्यादा देर तक फोन पर इंगेज करना होता है। ताकि वीडियो में आपके चेहरे के तमाम हाव-भाव रिकॉर्ड करते हुए आपका अश्लील वीडियो बनाया जा सके।

C M Y K

सदगुरुदेव ब्रह्मलीन महामण्डलेश्वर श्री श्री 108 स्वामी माधवानन्द गिरि महाराज के प्रकट्य दिवस को दीपोत्सव के रूप में मनाया

नर्मदापुरम। सदगुरुदेव ब्रह्मलीन महामण्डलेश्वर श्री श्री 108 स्वामी माधवानन्द गिरि महाराज के प्रकट्य दिवस सोमवार को दीपोत्सव के रूप में माधव संन्यास आश्रम में मनाया गया। सांयकाल 6 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें आनन्द नामदेव एवं राम परसाई, आदित्य परसाई एवं मण्डल के सदस्य द्वारा शानदार भजनों की प्रस्तुति दी गई। तदोपरान्त दीपदान एवं आरती प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर भालचंद्र खड्डर, हंस राय, दिनेश तिवारी, केप्टिन करैया सहित अन्य भक्त गण उपस्थित थे।

रेलवे का रसूलिया डबल फाटक 13 से 19 दिसम्बर तक रहेगा बंद

प्रदीप गुप्ता/ नर्मदापुरम इटारसी।
भोपाल सेक्शन पर लेवल क्रासिंग क्रमांक 231 पर रसूलिया क्षेत्र में निर्माणाधीन ओव्हर ब्रिज का कार्य पूर्ण करने के लिए पूर्व में 28 नवम्बर से 12 दिसम्बर तक बंद रखा गया था। उक्त कार्य पूर्ण हो गया है किन्तु स्लैब हेतु लगाई गई स्टेजिंग को 7 दिन के पश्चात अर्थात तराई आदि होने के पश्चात ही हटाया जाना संभव है। अपर कलेक्टर मनोज सिंह ठाकुर ने उक्ताशय की जानकारी देते हुए बताया है कि अत: ओव्हर ब्रिज का कार्य पूर्ण किये जाने के लिए 13 से 19 दिसम्बर तक डबल फाटक लेवल क्रांसिंग गेट क्रमांक 231 को बंद रखा जाएगा। अपर कलेक्टर श्री ठाकुर ने बताया है कि उक्त अवधि में उप पुलिस अधीक्षक यातायात द्वारा निर्धारित वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था अनुसार यातायात सुचारू रूप से जारी करने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उक्त कार्य के दौरान दुर्घटना होने की संभावना को देखते हुए उक्त अवधि के लिए रसूलिया डबल फाटक द्य13 से 19 दिसम्बर तक बंद किया गया है। अपर कलेक्टर श्री ठाकुर ने नागरिकों से अपील की है कि वे परिवर्तित यातायात मार्ग का उपयोग कर जिला एवं रेल प्रशासन को सहयोग प्रदान करें।

51 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ की तैयारी में जुटे बच्चे

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के नेतृत्व में गायत्री परिवार सारणी द्वारा रामरराख्यी स्टेडियम सारणी में भव्य 51 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन 16 दिसंबर से शुरू होगा। महायज्ञ की तैयारी करने हेतु बाल संस्कार केन्द्र वायगाव से दर्जनों बच्चो ने पहुंचकर वहां अपनी अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर समय और श्रमदान किया। कार्यक्रम की तैयारियां शुरू होने से सभी लोगों से बढ़ चढ़ कर अपनी अपनी भागीदारी और सहयोग की अपील की है।

हैदरी क्लब, वाल्मिकी, बीसीसी, विल्स, गुर्जर एवं बीसीसी क्लब ने जीते मैच

आचार्य चाणक्य सद्भावना समिति का टेनिस बाल क्रिकेट टूर्नामेंट रोमांचक दौर में पहुंचा

इटारसी। आचार्य चाणक्य सद्भावना समिति द्वारा जिला सर्व ब्राह्मण समाज के सहयोग से टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को पहला मैच इंडियन क्लब एवं इंडियन हैदरी क्लब के बीच खेला गया, टास जीतकर इंडियन क्लब ने प्रतिद्धंदी टीम को बल्लेबाजी का मौका दिया, हैदरी क्लब 7 विकेट खोकर 79 रन बना सका। जवाबी पारी खेलते हुए इंडियन क्लब की टीम 8 विकेट पर मात्र 59 रन बनाकर सिमट गई। 20 रनों से हैदरी क्लब ने मैच जीत लिया। दूसरा मैच मां कर्मा एवं आरसीसी क्लब के बीच खेला गया, कर्मा क्लब के खिलाड़ियों ने टास जीतकर बल्लेबाजी पहले करने का फैसला कर 6 विकेट पर मात्र 36 रनों का लक्ष्य रखा, आरसीसी क्लब के खिलाड़ियों ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 2 विकेट पर 37 रन बनाकर बेहद आसानी से मैच जीत लिया। 8 विकेट से टीम विजेता रही। तीसरा मैच भारत क्लब एवं वाल्मिकी क्लब के बीच खेला गया, वाल्मिकी क्लब ने टास जीतकर भारत क्लब को बल्लेबाजी दी, यह टीम 7 विकेट पर मात्र 49 रन बना सकी, लक्ष्य का पीछा करते हुए वाल्मिकी क्लब ने 6 विकेट पर 51 रन बनाकर 4 विकेट से मैच जीत लिया। चौथा मैच बीसीसी क्लब एवं एनजीएल क्लब के बीच खेला गया, बीसीसी ने टास जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 92 रन बनाए, लक्ष्य का पीछा करते हुए एनजीएल क्लब 4 विकेट पर मात्र 75 रन ही निर्धारित ओव्हर में बना सका, 17 रनों से बीसीसी की टीम ने मैच जीत लिया। पांचवा मैच विल्स क्लब एवं रायल राजपूत क्लब के बीच हुआ, रायल ने टास जीतकर विल्स क्लब को बल्लेबाजी दी, यह टीम 8 विकेट पर 67 रन बना सकी, लक्ष्य का पीछा करते हुए रायल राजपूत की टीम 7 विकेट पर मात्र 66 रन ही बना सकी, एक रन से विल्स क्लब ने यह रोमांचक मैच अपने नाम कर लिया। छटवां एवं आखिरी मैच गुर्जर क्लब एवं संत रविदास क्लब के बीच खेल गया, संत रविदास क्लब की टीम 7.3 ओव्हर में 49 रनों पर आलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए गुर्जर क्लब ने 1 विकेट पर 50 रन हासिल कर मात्र 4.4 ओव्हर में मैच समाप्ति कर 9 विकेट से मैच जीत लिया। मंगलवार को लखन बैस, अशोक शर्मा, हरीश अग्रवाल, बाबूलाल कैथवास, मनमोहन यादव, संजय मनवारे, मनीष चौधरी, जितेन्द्र राजपूत, दिनेश उपाध्याय, राहुल दुबे, पम्मू जोशी, शरद दीक्षित, राकेश दुबे, कुलभूषण मिश्रा, शेष मेहरा, संजय दुबे, अनिल मिहानी, अथर खान, धर्मदास मिहानी, सीमा भदौरिया, राजकुमार बाबरिया, गीता देवेन्द्र पटेल, वंदना ओझा, निधि पंकज चौरे, सीमा रघुवंशी, मनीषा अग्रवाल, मोनी चंद्रवंशी, गुलाबचंद्र अग्रवाल, डा. राजेश शर्मा, दीपक अग्रवाल, मनोज सारन, अशोक दुबे, संजय ठाकुर, राहुल वर्मा, प्रीति दुबे, सत्यम अग्रवाल, पीयूष गोयल समेत अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

पंडित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय आमला में संगोष्ठी का आयोजन किया गया

आमला में पंडित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय आमला में संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विभिन्न योजनाएं शैक्षणिक परिदृश्य भौगोलिक चिंतन व्यक्तित्व विकास आदि विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित करना था इस संगोष्ठी में इस संगोष्ठी में महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापक और अनेक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे इस संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के सभागार कक्ष में किया गया सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान गाकर किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य प्रवक्ता के रूप में भैया धोटे संचालक पूजा ऑर्गेनिक फार्मिंग एंड सर्विसेज बैतूल विशेष तौर पर पर आमंत्रित थे श्री धोटे ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को पूर्ण प्रशिक्षण जैसे जैविक खेती वर्मिनकंपोस्टिंग मशरूम उत्पादन बागवानी डेयरी प्रबंधन जैसे विषयों पर विद्यार्थियों को रोचक जानकारी से रूबरू किया। साथ ही विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ-साथ रोजगार से जुड़ने के मौके भी अवगत कराया गया श्री धोटे ने अपने विचारों से अनेक रोचक और वैज्ञानिक तथ्यों से परिपूर्ण होने वाली जानकारियों से भी अवगत किया विद्यार्थियों ने इस रोचक जानकारी को प्रोजेक्टर के माध्यम से देखा संगोष्ठी के अंत में विद्यार्थियों ने अनेक प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासा को स्टाफ एवं आमंत्रित वक्ता से सांझा किया इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापक अरविंद पाटणकर, धर्मपाल मालवीय ,मुकुंदराव ठाकरे, खेमराज सोलंकी, प्रदीप बावने, अजय यादव ,राजू देशमुख, शंकर बिनझड़े, कमल साहू, अंजना प्रसाद, शिवानी राठौर और मोनिका पांडे एवं राकेश सुनानिया आदि उपस्थित थे।

स्प्रेडिंग स्माइल ने खिताबी मुकाबले को 30 रनों से जीता

आमला रेल्वे स्टेडियम और नगरपालिका आमला के तत्वधान में आयोजित प्रतियोगिता का रविवार अंतिम मैच खेले गए।पहले सेमीफ़ाइनल में रब्बानी क्लब और मालेगाँव के बीच खेला गया जिसमे पहले बल्लेबाजी करते हुए 89 रन का स्कोर खड़ा किया।इसका।पीछा करने उतरी मालेगाँव की टीम मात्र 28 रन बनाकर आल आउट हो गई और यह मैच रब्बानी क्लब ने 61 रन से जीतकर फाइनल में जगह बनाई।सोनू यदाव को मैन ऑफ द मैच।मिला।दूसरा सेमीफाइनल स्प्रेडिंग स्माइल और गुलशन 11 के बीच खेला गया। जिसमे निर्धारित 10 ओवेरो में स्प्रेडिंग क्लब ने 122 रनों का विशाल लक्ष्य रखा।इस लक्ष्य को प्राप्त करने उतरी गुलशन 11 मात्र 80 रन पर ढेर हो गई और स्प्रेडिंग स्माइल ने 42 ।रनों से।मैच जीतकर फाइनल।में प्रवेश किया।लगभग 3 बजे प्रतियोगिता का अंतिम मुकाबला स्प्रेडिंग स्माइल और रब्बानी क्लब के बीच खेला गया।इसमे पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 8 ओवर में 75 रन का लक्ष्य दिया।इस लक्ष्य को हासिल करने उतरी रब्बानी क्लब 41 रनों पर ढेर हो गई और खिताबी जीत पर 34 रनों से स्प्रेडिंग स्माइल ने कब्जा किया।इस प्रतियोगिता में प्रथम नगद पुरस्कार 31 हजार और दूसरा पुरस्कार 15 हजार दिया गया।सभी खिलाड़ियों को ट्राफियां बचपन प्ले स्कूल की तरफ से नीरज बारस्कर द्वारा दिया गया।मैन ऑफ द सीरीज़ बाला जी ,बेस्ट बॉलर आकाश यदाव,मोस्ट वीकेट टेकर जितेन्द्र मानकर,ऑलराउंडर आर्यन चिमटे,फास्टेस्ट फिफ्टी यश बोहोत,बेस्ट हीटर सोनू यादव को दिया गया।

स्त्री अत्याचारों से जुड़ी चिन्ताओं की टंकार

ललित गर्ग

इनदिनों स्त्रियों के घरेलू जीवन में उन पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। विशेषत: कोरोना महामारी के लॉकडाउन के दौरान एवं उसके बाद महिलाओं पर हिंसा, मारपीट एवं प्रताड़ना की घटनाएं बढ़ी हैं। ऐसी ही पीलीभीत की एक घटना ने रोंगटे खड़े कर दिये। खाने में बाल निकलने के बाद पत्नी को पीलीभीत के युवक जहीरुद्दीन ने जिस बेरहमी, बर्बरता एवं क्रूरता से मारा, जमीन पर गिरा दिया, घर में रखी बाल काटने वाली मशीन (ट्रिमर) को पत्नी के सिर पर चला दिया, इन दुभाग्यपूर्ण एवं शर्मसार करने वाली नृशंसता की घटना की जितनी निन्दा की जाये, कम है। स्त्री को समानता का अधिकार देने और उसके स्त्रीत्व के प्रति आदर भाव रखने के मामले में आज भी पुरुषवादी सोच किस कदर समाज में हावी है,क इसकी पीलीभीत की यह ताजा घटना निन्दनीय एवं क्रूरतम निष्पत्ति है। दुभाग्यपूर्ण पहलू यह है कि जब एक स्त्री पर यह अनाचार हो रहा था तो दूसरी स्त्री यानी उसकी सास भी खड़ी थी और उसके बचाव में नहीं आई। जब उक्त युवक को अपने अपराध का अहसास हुआ तो भी वह पश्चाताप करने के बजाय पत्नी को ऐसे ही बंधा छोड़कर फरार हो गया। रह-रह कर समाज में घटित हो रही ये महिला अत्याचार, हिंसा, उत्पीड़न की घटनाएं चिन्तित करती एवं इन पर नियंत्रण के लिये कुछ प्रभावी कदमों की जरूरत व्यक्त करती है। यह देखना भी दिलचस्प है कि जहां साल में दो बार लड़कियों को महत्व देने के लिए उसे पूजने के पर्व मनाए जाते हों, वहां लड़कियों को दोयम दर्जे का मानने वाले भी बहुत हैं, महिलाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने वाले भी कम नहीं है, आये दिन ऐसी घटनाएं देखने और सुनने को मिलती हैं कि

किस तरह आज भी महिलाओं के साथ हिंसा एवं अत्याचार किया जाता है। जबकि आधुनिक होते भारत में महिलाओं ने अपने प्रयास के दम पर कई उपलब्धियां हासिल की हैं। यह देखकर गर्व होता है लेकिन जब ऐसी घटनाएं होती हैं, जैसी पीलीभीत में हुई, तो यह सोचने को विवश होना पड़ता है कि समाज की वास्तविकता क्या है महिला समानता आज का सच है या अपवाद? प्रगति के प्रतिमान लिखने वाली महिलाएं हमारे समाज का वास्तविक सच हैं या वह, जो पीलीभीत की पीड़िता के साथ हुआ। इस पर गंभीरता से चिंतन करना होगा। महिलाओं के प्रति यह संवेदनहीनता एवं बर्बरता कब तक चलती रहेगी? भारत विकास के रास्ते पर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अभी भी कई हिस्सों में महिलाओं को लेकर गलत धारणा है कि महिलाएं या बेटियां परिवार पर एक बोझ की तरह हैं। एक विकृत मानसिकता भी कायम है कि वे भोग्य की वस्तु है? उन्हें पांव के नीचे रखा जाना चाहिए। यों यह घटना आए दिन होने वाले जघन्य अपराधों की ही अगली कड़ी है, मगर यह पुरुषवादी सोच और समाज के उस ढांचे को भी सामने करती है, जिसमें महिलाओं की सहज जिंदगी लगातार मुश्किल बनी हुई है, संकटग्रस्त एवं असुरक्षित है। भले ही महिलाओं ने अपनी जंजीरों के खिलाफ बगावत कर दी है, लेकिन देश में ऐसा वर्ग भी है जहां आज भी महिलाएं अत्याचार का शिकार होती है। भले एक खास महिला वर्ग ने आर्थिक मोर्चे पर आजादी हासिल की है, लेकिन एक बड़ा महिला वर्ग आज भी पुरुषप्रधान समाज की सोच की शिकार है। ऐसा कायम है तभी आजादी के अमृत महोत्सव मना चुके राष्ट्र की तमाम महिलाएं 'मुझे पति और पति के परिवार से बचाओ' की गुहार लगातीं हुई दिखाई देती है। इसलिये कि उन्हें सदियों से चली आ रही मानसिकता, साजिश एवं सजा के द्वारा भीतरी सुरंगों में धकेल दिया जाता है, अत्याचार भोगने को विवश किया जाता है। महिलाएं सभी समाजों, सभी देशों और सभी कालों में महत्वपूर्ण भूमिका में रही है। चाहे वेदों की बात करें, जो महिलाओं को पूजनीय बताते हैं, या गांधीजी की बात करें जो उन्हें परिवार की धूरी बताते हैं, हर समय महिलायें महत्वपूर्ण रही हैं। वेद कहते हैं कि वह व्यवस्था सबसे उत्तम है, जहां महिलाओं का सम्मान होता है। गांधीजी मानते थे कि अगर पूरे परिवार को और आगे आने वाली पीढ़ी को सुसंस्कृत बनाना है, तो केवल उस परिवार की महिलाओं को शिक्षित कर देना चाहिये। साल 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत हरियाणा के पानीपत जिले से की थी। इसके बाद भ्रूण हत्या को समाप्त करने व महिलाओं से जुड़े तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर पुरुष मानसिकता में व्यापक परिवर्तन आया है। लेकिन व्यापक परिवर्तन ही नहीं, आमूल-चूल परिवर्तन की जरूरत है। प्रश्न है कि घर की चार-दीवारी के भीतर महिलाओं पर अत्याचार का सिलसिला कब रूकेगा। आखिर कब तक महिलाओं की छोटी-छोटी भूलों के लिये पुरुष उनको पिटते रहेंगे? क्यों हर कदम पर पुरुष व्यवस्था द्वारा लगाये गये नियमों के पालन में थोड़ी-सी कोताही उसे अपराधिनी सिद्ध करने का आधार बनती रहेगी। सेवा, श्रम और सेक्स-ये तीन बातें स्त्री के जीवन के आधार स्तंभ है, जो उसे परिवार और पति के लिये समर्पित करने हैं। इनमें तनिक चूक के लिये वह हिंसा की शिकार बना दी जाती है।

लेकिन इन अत्याचारों को सहते-सहते स्त्री टूट चुकी है। आज त्याग की जंजीरें और सहने की ताकत की कड़ियां बिखर चुकी है। स्त्री का विद्रोही स्वरूप सामने आ रहा है, विवाह का विधान डगमगाने लगा है, समाज के सामने खतरे की घंटी बज रही है। आखिर इसका जिम्मेदार पुरुष ही है, उसके बढ़ते अत्याचार है, स्त्री को दोयम दर्जा मानने की मानसिकता है। ऐसी मानसिकता चाहे पीलीभीत में कहर ढाये या अन्यत्र। असर पूरे महिला समाज पर होता है। सवाल यह है कि औरत को तरह-तरह से घेरने वाली सजायें एवं जुल्म जब गुजरते हैं तो 'ऐसा तो होता ही रहता है' की मान्यता अब स्त्री को स्वीकार्य नहीं है। जुल्म भले एक महिला को झेलना पड़े लेकिन अनेक महिलाएं उससे जागरूक हो जाती है, कमर कस लेती है। निश्चय ही यह पुन: एक प्रश्न को जन्म देता है कि क्या महिलायें अभी भी दोयम दर्जे की है? नरेन्द्र मोदी की पहल पर निश्चित ही महिलाओं पर लगा दोयम दर्जा का लेबल हट रहा है। हिंसा एवं अत्याचार की घटनाओं में भी कमी आ रही है। बड़ी संख्या में छोटे शहरों और गांवों की लड़कियां पढ़-लिखकर देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे उन क्षेत्रों में जा रही हैं, जहां उनके जाने की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। वे टैक्सी, बस, ट्रक से लेकर जेट तक चला-उड़ा रही हैं। सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा कर रही है। अपने दम पर व्यवसायी बन रही हैं। होटलों की मालिक हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लाखों रुपये की नौकरी छोड़कर स्टार्टअप शुरू कर रही हैं। वे विदेशों में पढ़कर नौकरी नहीं, अपने गांव का सुधार करना चाहती हैं।

अब सिर्फ अध्यापिका, नर्स, बैंकों की नौकरी, डॉक्टर आदि बनना ही लड़कियों के क्षेत्र नहीं रहे, वे अन्य क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। इस तरह नारी एवं बालिका शक्ति ने अपना महत्व तो दुनिया समझाया है, लेकिन नारी एवं बालिका के प्रति हो रहे अपराधों में कमी न आना, घरेलू हिंसा का बढ़ना- एक चिन्तनीय प्रश्न है। सरकार ने सख्ती बरती है, लेकिन आम पुरुष की सोच को बदलने बिना नारी एवं बालिका सम्मान की बात अधूरी ही रहेगी। इस अधूरी सोच को बदलना नये भारत का संकल्प हो, इसीलिये तो इस देश के सर्वोच्च पद पर द्रौपदी मुर्मू को आसीन किया गया हैं। वह प्रतिभा पाटिल के बाद देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं। अमेरिका आज तक किसी महिला को राष्ट्रपति नहीं बना सका, जबकि भारत में इंदिरा गांधी तो 1966 में ही प्रधानमंत्री बन गई थीं। असल में, यही तो स्त्री शक्ति की असली पूजा है। अब स्त्री शक्ति के प्रति सम्मान भावना ही नहीं, सह-अस्तित्व एवं सौहार्द की भावना जागे, तभी उनके प्रति हो रहे अपराधों में कमी आ सकेगी। तभी पीलीभीत जैसी बर्बर मानसिकता पर विराम लग सकेगा।

निशुल्क कराई गई श्री सम्मेद शिखरजी की यात्रा संघ डूंढ़ा का था आयोजन

टीकमगढ़। पारसनाथ जैन तीर्थ यात्रा संघ ग्राम डूंडा जिला टीकमगढ़ मध्य प्रदेश के द्वारा छठवीं श्री सम्मेद शिखरजी की महान भव्य यात्रा सैकड़ों यात्रियों के साथ 3 दिसंबर से 11 दिसंबर 2022 तक कराई गई जिसमें अनेक जगह के यात्रियों ने हिस्सा लिया यात्रा में मध्य प्रदेश के 100 गांव के लोगों ने यात्रा में हिस्सा लिया एवं महाराष्ट्र कोल्हापुर सांगली हंसुर आदि कई गांव के लोगों ने भी यात्रा में हिस्सा लिया सभी लोगों ने शिखरजी में सामूहिक पर्वतराज की वंदना की एवं रोज संगीतमय प्रशांत जैन बमनी एवं अर्चना जैन दिल्ली के स्वर माध्यम से आरती एवं अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं एक दिन आचार्य श्री संभव सागर जी गुरुदेव के

सानिध्य में एवं आर्यिका पुनीत चेतन्नय मति माताजी के सानिध्य में सम्मेद शिखर विधान का महा भव्य आयोजन किया गया एवं विधान की घटा यात्रा भी पूरे शिखरजी में महाराष्ट्र के कोल्हापुर की टीम वीराचार्य झांझ पथक के द्वारा घट यात्रा में चार चांद लगाए गए एवं अनेक कार्यक्रम संपन्न हुए सभी यात्रियों को विधान में बैठने का सौभाग्य प्राप्त हुआ सभी लोगों ने सम्मेद शिखरजी के नीचे के मंदिरों की वंदना की सभी यात्रियों ने शिखरजी का परिक्रमा भी किया एवं बहुत आनंद उठाया यात्रा में यात्रा संघ समिति के माध्यम से संपूर्ण यात्रा निशुल्क रही मुख्य यात्रा संयोजक राजकुमार जैन डूंडा वाले मुख्य यात्रा संचालक भैया राजा जैन बड़ागांव संयोजक विकास जैन ,सनी जैन पहलवान काजल जैन पायल जैन अनेक यात्रा दानदतार भी यात्रा में उपस्थित कालिदास जैन जियागंज मुर्शिदाबाद राजेंद्र कुमार जैन अंबाला आशीष जैन गाजियाबाद अनिल कुमार जैन गुड़गांव आदि और भी अनेक सहयोगी गण उपस्थित रहे पूरी यात्रा संघ समिति ने यात्रा मे अपना महत्त्व पूर्ण योगदान दिया जिससे यात्रा सभी लोगो की सानिध्य संपन्न हुई।

पुलिस का जागरूकता अभियान

बेटियों सहित महिलाओं को किया जागरूक

टीकमगढ़। पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे महिला हिंसा एवं भेदभाव के उन्मूलन को लेकर जागरुकता अभियान के अंतर्गत दिनांक 13.12.2022 को पुलिस अधीक्षक प्रशांत खरे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या के निर्देशन में डीएसपी महिला सेल प्रिया सिंधी के मार्गदर्शन में महिला थाना एवं थाना कोतवाली पुलिस स्टाफ द्वारा ग्राम कुंवरपुरा टीकमगढ़ में महिलाओं एवं बच्चियों को महिला हिंसा अंतर्गत आने वाले विभिन्न अपराध जैसे मारपीट, घरेलू

हिंसा, यौन शोषण, छेड़छाड़ के बारे में जानकारी दी साथ ही इन अपराधों के लिए कानूनी प्रावधानों ,विभिन्न अधिनियमों जैसे पोक्सो एक्ट,घरेलू हिंसा अधिनियम आदि के बारे में विस्तार से बताया, इस प्रकार की हिंसा को कैसे रोका या खत्म किया जा सकता है के बारे में बताया गया पुलिस मुख्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए।

C M Y K

मानव अधिकार दिवस पर मानव श्रंखला निर्मित कर जागरूकता रैली का आयोजन

शासकीय कन्या महाविद्यालय इटारसी में मानव अधिकार दिवस पर मानव श्रंखला निर्मित की गई तथा मानव अधिकारों के प्रति आम नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए रैली निकाली गई। जन जन का अधिकार, मानव अधिकार जैसे नारों ने शहर के नागरिकों में मानव अधिकारों के प्रति चेतना को विकसित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एस. मेहरा ने कहा कि आज ही के दिन सन 1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह सभी मनुष्यों के अधिकारों को प्रतिष्ठापित करता है। हमें हमेशा अपने और दूसरों के अधिकारों के प्रति सजग रहने की आवश्यकता है। डॉ. रविंद्र चौरसिया ने कहा कि आज का दिन हमें याद दिलाता है कि हम मजबूती से मानव अधिकार संरक्षण को सामाजिक मान्यता के रूप में प्रतिस्थापित करने के लिए खड़े रहे। डॉ. संजय आर्य ने कहा यह दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा भेदभाव को रोकना है। मानव अधिकार 2022 की थीम सभी के लिए प्रतिष्ठा, स्वतंत्रता और न्याय है।डॉ. शिरीष परसाई ने कहा कि जब हम अपनी ऊर्जा को मानवीय गरिमा, मानवीय क्षमता तथा मानव मूल्यों मे सुधार पर केंद्रित करते हैं तब ही एक सभ्य, खुशहाल तथा विकसित समाज की स्थापना कर पाते हैं। इस अवसर पर कुमकुम जैन, डॉ. हरप्रीत रंधावा, श्रीमती मंजरी अवस्थी, श्री स्नेहान्सु सिंह, डॉ. संजय आर्य, श्री अमित कुमार, डॉ. शिरीष परसाई, डॉ. मुकेश चंद्र बिष्ट, श्री रविंद्र चौरसिया, तरुणा तिवारी, कु. रश्मि मेहरा, कु. क्षमा वर्मा कु. प्रिया क्लोसिया, श्री हेमंत गोहिया, कु. नेहा राठौर, एन. आर. मालवीय एवं छात्राएँ उपस्थित थी।

आज भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा नगर मंडल इटारसी की प्रथम परिचयात्मक बैठक हुई सम्पन्न

पिछड़ा वर्ग मोर्चा की बैठक मोर्चा के जिलाध्यक्ष श्री जय किशोर चौधरी जी (जे.के.दादा), भाजपा जिला नर्मदापुरम के जिला उपाध्यक्ष श्री कल्पेश अग्रवाल जी, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला उपाध्यक्ष श्री अभिषेक कनौजिया जी, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला नर्मदापुरम् के जिला कार्यकारिणी सदस्य एवं भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा इटारसी के प्रभारी श्री बालमुकुंद इंगोले जी एवं भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल इटारसी के कार्यकारी अध्यक्ष श्री मनीष यादव जी के नेतृत्व में भाजपा वरिष्ठ नेता एवं जिला उपाध्यक्ष श्री कल्पेश अग्रवाल जी के कार्यालय सूरज गंज, इटारसी में आयोजित हुई। बैठक का प्रारंभ सर्वप्रथम भाजपा के पित्र पुरुष डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण-पुष्पांजलि एवं समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। बैठक में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल इटारसी के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का परिचय हुआ एवं बैठक में पिछड़ा वर्ग मोर्चा के यशस्वी जिला अध्यक्ष श्री जय किशोर चौधरी जी ने मोर्चे के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि हमें मोर्चे में पूर्ण ईमानदारी एवं सजगता के साथ कार्य करना है एवं भविष्य में आने वाले कार्यक्रमों को लेकर सजग रहना है, नगर के प्रत्येक बूथों पर प्रत्येक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को आगामी चुनावों को मध्य नजर रखते हुए पूर्ण निष्ठा पूर्वक कार्य करना है। इस अवसर पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल इटारसी के उपाध्यक्ष श्री आतिश चिंटू सेन, मोर्चा के उपाध्यक्ष श्री संजय मालवीय, मोर्चा मंत्री श्री गौरव जायसवाल, मोर्चा मंत्री श्री विजय मलैया, मोर्चा मंत्री श्री मयूर पटवा, मोर्चा आईटी-सेल प्रभारी श्री चंदन बाथरी, मोर्चा आईटी सेल सह-प्रभारी श्री शिव कांत मालवीय, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा पुरानी इटारसी मंडल उपाध्यक्ष श्री जितेंद्र यादव एवं भाजपा कार्यकर्ता श्री सृजन सिंह यादव उपस्थित थे। बैठक का संचालन भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा नगर मंडल इटारसी के महामंत्री श्री मयूर मालवीय ने किया।

विधायक नर्मदापुरम की अनुशंसा पर 16 लोगो को 1 लाख 47 हजार 500 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी

प्रदीप गुप्ता /नर्मदापुरम। विधायक नर्मदापुरम डॉ. सीतासरन शर्मा की अनुशंसा पर कलेक्टर नीरज कुमार सिंह द्वारा विधायक स्वेच्छानुदान निधि से विकासखंड इटारसी एवं नर्मदापुरम क्षेत्र के 16 हितग्राहियों को कुल 1 लाख 47 हजार 500 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। सहायता राशि हितग्राहियों को उनके उपचार आदि के लिए स्वीकृत की गई है। जिला योजना एवं सांख्यिकीय कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 हितग्राहियों को 10- 10 हजार रूपए, एक हितग्राही को 7 हजार 500 रूपए, 2 हित ग्राहियों को 7-7 हजार रूपए, 4 हितग्राहियों को 5-5 हजार रूपए, 1 हितग्राही को 4 हजार रूपए, 4 हितग्राहयों को 3-3 हजार रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

भगवान शिव साकार और निराकार दोनों ही स्वरूप में है : पंडित सोमनाथ शर्मा

नर्मदापुरम। नगर के सुप्रिसिद्ध सेठानी घाट पर आयोजित सप्त दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा के दूसरे दिवस भागवत आचार्य पंडित सोमनाथ शर्मा ने कथा को प्रारंभ करते हुए शिव महापुराण की प्रथम संहिता श्री विदेश्वर संहिता की कथा को सुनाया उन्होंने बताया कि जब सूतजी से शौनक जी ने प्रश्न किया था कि भगवान शिव का पूजन लिंग में क्यों किया जाता है और लिंग का अर्थ क्या होता है तब श्री सूत जी महाराज ने कथा सुनाते हुए कहा, कि जिस प्रकार सनकादिक ऋषि यों ने नंदीकेश्वर से प्रश्न किया था और नंदीकेश्वर महाराज ने शिवलिंग के रहस्य का उद्घाटन करते हुए इस विषय को कहा था वही मैं आप से कहता हूं एक बार जब ब्रह्मा और विष्णु जी के मध्य युद्ध हो गया तब भगवान शिव का प्राकट्य लिंग के रूप में हुआ। अर्थात ज्योति के रूप में हुआ लिंग का अर्थ होता है प्रतीक व चिन्ह भगवान शिव साकार हैं और निराकार भी है ब्रह्म का जो प्रतीक है वह लिंग है और सगुण साकार भी हैं, इसलिए मूर्ति में भी उनका पूजन होता है। ब्रह्मा विष्णु ने जब उनके और चोर का पता नहीं लगा पाए तब आकर भी नतमस्तक हो गए और भगवान विष्णु को भगवान शिव ने पूज्य होने जगत में पूछने का आशीर्वाद दिया। शिवलिंग कई प्रकार के होते हैं इसका वर्णन शिवपुराण में है और साथ ही साथ शिवपुराण की कथा में व्यास जी ने कहा कि भगवान शिव के मुख से सबसे पहले ओंकार प्रकट हुआ था। उसके पश्चात ओंकार से नमः शिवाय पंचाक्षर मंत्र उत्पन्न हुआ था और उसी से गायत्री मंत्र और उसी से सभी वेदों का विस्तार हुआ था। कथा के द्वितीय दिवस भगवान शिव की महिमा का वर्णन किया गया। कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक है कथा का आयोजन श्री नीलकंठ महादेव समिति के द्वारा कराया जा रहा है।

अयोध्यावासी वैश्य महिला मंडल द्वारा नेहरू पार्क में बीसी मासिक बैठक का आयोजन किया

नर्मदापुरम। श्री अयोध्यावासी वैश्य महिला मंडल की सोनाली गुप्ता द्वारा नेहरू पार्क में बीसी मासिक बैठक का आयोजन किया। जिसमें हाऊजी गेम खेलें एवम प्रथम मंजू गुप्ता, द्वितीय कीर्ति गुप्ता, तृतीय मीना गुप्ता ने इनाम जीते। इस मीटिंग में सुषमा गुप्ता, पूनम गुप्ता, मंजू गुप्ता, कीर्ति गुप्ता, सोनाली गुप्ता, सुरेखा गुप्ता, मीना गुप्ता आदि उपस्थित रहे। बता दे कि वैश्य समाज की महिला मंडल द्वारा समाज के उत्थान के लिए समय-समय पर बैठक कर निर्णय लिए जाते हैं।

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में डॉ. शशि प्रभा वर्मा को सर्वोच्च सम्मान एक्यूप्रेशर सेवा रत्न मिला

इटारसी। इंस्टीट्यूट आफ हॉलिस्टिक मेडिसिन द्वारा हॉलिस्टिक मेडिसिन पर पांचवी अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस एवं कन्वोकेशन का तीन दिवसीय आयोजन 10 से 12 दिसंबर को इंदौर में हुआ। जिसमें विश्व भर के 45 से अधिक हॉलिस्टिक थेरेपी का प्रेजेंटेशन दिया गया। लाइफ- लाइन एक्यूप्रेशर सेंटर इटारसी के डॉ प्रताप सिंह वर्मा द्वारा उनके शोध पत्र एक्यूप्रेशर द्वारा माइग्रेन सरदर्द उपचार के साथ इससे बचने के उपाय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। उनकी माताजी डॉ शशिप्रभा वर्मा को इस विधा मैं उल्लेखनीय योगदान के लिये इस महासम्मेलन में एक्यूप्रेशर के सर्वोच्च पुरस्कार एक्यूप्रेशर सेवा रत्न मरणोपरांत दिया गया। साथ ही पीड़ित मानवता के हित में साध्य असाध्य रोगों का निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित करने हेतु डॉ प्रताप सिंह वर्मा को टॉप हॉलिस्टिक हीलर ऑफ इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान इंस्टीट्यूट आफ हॉलिस्टिक मेडिसिन के चेयरमैन डॉ सुधीर खेतावत इंदौर एवं मेहर मास्टर मूस चांसलर, ओपन अल्टरनेटिव यूनिवर्सिटी कोलंबो श्रीलंका द्वारा दिया गया।

किसानों को इटारसी मंडी में लाइन लगाकर टोकन वितरित किये, हंगामा हुआ

इटारसी। किसानों को इटारसी मंडी में लाइन लगाकर यूरिया खाद के लिए टोकन वितरण किया गया परंतु किसानों को खाद्य नहीं दिया गया यदि खाद पर्याप्त मात्रा में है तो किसानों को खाद क्यों नहीं दिया जिन किसानों के टोकन पहले कटे हुए थे। सिर्फ उनको खाद दिया गया अभी इटारसी सोसाइटी जो कि सब्जी मंडी के पास है उसमें भी आप देख सकते लाइन किस तरह की लगती है हंगामा हो जाता है । यदि खाद पर्याप्त है तो किसानों को इस तरह लाइन में क्यों लगा रहना पड़ेगा आज जिन किसानों के टोकन कटे हैं उनको 16 तारीख खाद्य के लिए कहा गया किसान इस तरह से कब तक परेशान होगा क्या अपने खेत में पानी दे क्या अपनी धान को मंडी में बेचे या सलाद बुक कराने के लिए आठ 8 दिन इंतजार करना पड़ता कहीं सरवर डाउन कहीं आधार से लिंक की समस्या तमाम परेशानी से किसान परेशान है । एक और हमारी सरकार कहती है सरकार को किसी तरह से परेशान नहीं होने दिया जाएगा ऐसा कब तक चलेगा मैं हमारी मध्य प्रदेश की सरकार से अनुरोध करूंगा इस सरकार को इस तरह किसानों को परेशान नहीं करना चाहिए क्रांतिकारी किसान मजदूर संगठन जिला अध्यक्ष हरपाल सिंह सोलंकी।

कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी ने की जनसुनवाई

बारी बारी से आवेदकों को सुना, 91 सुनीं समस्याएं

गोविंददास विश्वकर्मा

टीकमगढ़। शासन के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय पर कलेक्टर कार्यालय में आज जनसुनवाई आयोजित की गई। संयुक्त कार्यालय परिसर स्थित जनसुनवाई कक्ष में कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी ने डिप्टी कलेक्टर श्री संजय जैन सहित संबंधित अधिकारियों के साथ आमजन से प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं को सुना तथा निराकरण हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिया। उन्होंने प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में आज आमजन से प्राप्त 91 आवेदनों पर सुनवाई की गई।

आवेदन पत्रों को 10 दिवस में निराकृत कर उसका प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में आमजनता से प्राप्त पेंशन, उपचार सहायता, खाद्यान्न पर्ची प्राप्त नहीं होने, गरीबी रेखा में नाम शामिल करने, सीमांकन, विधवा तथा दिव्यांग पेंशन, राहत राशि के वितरण, जाति प्रमाण पत्र तथा सेवानिवृत्त कर्मचारी के भविष्य निधि के भुगतान सहित विभिन्न आवेदन पत्रों पर सुनवाई की गई।

अंतराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस पर महिला जागरूकता कार्यक्रम रानी अवन्ति स्कूल में हुआ

इटारसी। महिलाओं के विरुद्ध हिंसा एवं भेदभाव समाप्त किए जाने हेतु महिला बाल विकास विभाग द्वारा रानी अवंती विद्या निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल में आज जागरूकता अभियान के अंतर्गत छात्राओं को समस्त जानकारियां दी गई। यह जागरूकता अभियान दिनांक 25 नवंबर 2022 अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस से 10 दिसंबर 2022 मानव अधिकार दिवस के अवसर की कड़ी के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस अभियान में डिस्ट्रिक्ट काउंसलर रीना गौर द्वारा लैंगिक उत्पीड़न, गुड टच, बैड टच के बारे में समझाया गया। उनके द्वारा बताया गया कि समस्त कार्यस्थलों पर महिलाओं को सुरक्षित वातावरण किस प्रकार से उपलब्ध कराया जा सकता है साथ ही लड़कियों की

सुरक्षा के लिए विभिन्न प्रकार के अधिनियमों की जानकारी दी गई। महनता रैकवार द्वारा महिला सशक्तिकरण के बारे में छात्राओं को बताया गया। प्राचार्य डॉ प्रताप सिंह वर्मा ने छात्राओं को जागरूक करने के महिला बाल विकास विभाग के इस अभियान के पहल के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान दयाल नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं एवं नर्सिंग टीचिंग स्टाफ भी शामिल था जिसमें जॉर्ज थॉमस, आरती अंभोरे, अनामिका सोलंकी शामिल रही। रानी अवंती स्कूल से उप प्राचार्य देवेंद्र चौरे, कोऑर्डिनेटर शीशा गोस्वामी, अंजलि कौशल, निकिता बामने, सलोनी कहार रश्मि उइके, अंजली सोनी, देविका मिश्रा, शिखा राजपूत, दीक्षा राजपूत, रीना चौहान उपस्थित रही।

कर्म मार्ग पर ईमानदारी से चल कर कर सकते हैं परमेश्वर के दर्शनः मुख्यमंत्री

श्रीमद् भागवत कथा में हुए शामिल मुख्यमंत्री

हरदा में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के133 नव-दम्पत्तियों को दिया आशीर्वाद

हरदा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हरदा में विख्यात कथा- वाचिका जया किशोरी की सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के समापन में शामिल हुए। कथा समापन पर मुख्यमंत्री ने 133 कन्याओं के मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में हुए सामूहिक विवाह के नव-दम्पत्तियों को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में कथा के आयोजक किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल, खजुराहो सांसद वी.डी. शर्मा, स्थानीय सांसद डी.डी. उइके, जिला पंचायत अध्यक्ष गजेन्द्र शाह सहित जन-प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि परम पिता परमेश्वर को प्राप्त करने के लिये धर्मशास्त्र में भक्ति मार्ग, ज्ञान मार्ग और कर्म मार्ग बताये गये हैं। हम सभी बिना फल की इच्छा किये अपने कार्य पूरी कर्त्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी से कर ईश्वरीय मार्ग पर चल सकते हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टर- मरीजों का इलाज, शिक्षक-बच्चों की पढ़ाई और अधिकारी एवं नागरिक अपने कर्त्तव्यों और दायित्वों का निर्वहन कर समाज की बेहतरी के लिये अपना योगदान दें। इसी से प्रदेश का कल्याण होगा।

मुख्यमंत्री चौहान ने जनता के अनुरोध पर सुनाया भजन

मुख्यमंत्री चौहान ने कथा स्थल पर उपस्थित धर्मप्रेमियों के अनुरोध पर ''राम नाम सुखदायी'' और ''हरे राम हरे राम'' भजन गाया। श्रोता मंत्रमुग्ध होकर मुख्यमंत्री के गाये भजनों पर झूमते नजर आये।

पूर्व सीएम उमा भारती लंबे समय से राज्य में शराबबंदी की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती लंबे समय से राज्य में शराबबंदी की मांग उठा रही है. इस मुद्दे पर वह कई बार अपनी ही सरकार की आलोचना कर चुकी हैं. हालांकि सीएम शिवराज से मुलाकात के बाद वह कुछ नरम हो गईं थी लेकिन अब एक बार फिर उन्होंने शराब पर रोक को लेकर सरकार को अल्टीमेटम दे दिया है. उमा भारती ने ट्वीट कर लिखा है कि 17 जनवरी के बाद वह इस मुद्दे पर सरकार से आर-पार की लड़ाई लड़ेंगी। उमा भारती ने कई ट्वीट किए हैं। इनमें पूर्व सीएम ने लिखा कि जब 8 तारीख पूर्णिमा को भोपाल छोड़ा था तो सोचा था कि उसमें आवास व्यवस्था में कुछ संशोधन करना पड़ा. क्यूंकि मेरी देखरेख में लगी पुलिस और प्रशासन को मेरी वजह से बहुत असुविधा होने लगी थी। आज से तीन दिन तक भोपाल में अपने आवास में रहूंगी। 3 दिन चेकअप हो जाने के बाद फिर से भ्रमण पर निकलूंगी। उमा भारती ने लिखा कि अभी तक यह बात साफ हो गई है कि प्रदेश की जनता शराब के खिलाफ है। नई संशोधित शराब नीति जनवरी में घोषित होकर अप्रैल में लागू हो जाएगी। मैं आशान्वित हूं और आशंकित भी। यह पहले से तय है कि 17 जनवरी के बाद आर-पार की लड़ाई भी हो सकती है। कुछ माह पहले भी उमा भारती शराबबंदी को लेकर भोपाल की सड़कों पर निकलीं थी।उस दौरान वह अयोध्या बाइपास स्थित शराब की दुकान पर पहुंची और शराब की दुकान बंद करने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया.इस दौरान लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई थी. बड़ी संख्या में महिलाएं भी उमा भारती के समर्थन में आ गईं थी और शराब की दुकान बंद करने की मांग कर रहीं थी. बता दें कि उमा भारती लंबे समय से प्रदेश में शराबबंदी की मांग पर अड़ी हैं।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने किया जनसमस्याओं का मौके पर ही निराकरण

प्रदीप गुप्ता/नर्मदापुरम। मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई में कलेक्टर नीरज कुमार सिंह द्वारा जनसमस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने जनसुनवाई में 91आवेदनों पर सुनवाई की। जनसुनवाई के पश्चात कलेक्टर श्री सिंह द्वारा स्वयं आवेदकों को उनकी समस्याओं के निराकरण के संबंध में भी जानकारी दी गई। जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत, अपर कलेक्टर मनोज सिंह ठाकुर , संयुक्त कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें। जनसुनवाई में एमजीएम कॉलेज इटारसी की छात्रा कुमारी दुर्गा मेहरा ने 6000 रूपए की स्कॉलरशिप अभी तक प्राप्त ना होने के संबंध में आवेदन दिया , जिस पर कलेक्टर श्री सिंह ने नोडल प्राचार्य शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय नर्मदापुरम को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर छात्रा को शीघ्र स्कॉलरशिप दिए जाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में इटारसी की ही पुष्पा राजपूत ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का निर्माण करना है किंतु उनके पड़ोसी द्वारा अतिक्रमण किया गया हैं। साथ ही उनके और पड़ोसी के मकानों की एक ही दीवार होने की समस्या के कारण निर्माण नहीं ही पा रह हैं।

जिस पर एसडीएम इटारसी द्वारा आवश्यक कार्यवाही कर आवेदक के पीएम आवास के निर्माण आ रही समस्या का समाधान किया गया। अब आवेदक का पीएम आवास बनाया जा सकेगा। जनसुनवाई में सिवनीमालवा के ग्राम लोधडी निवासी हेमराज ने अपनी भूमिका सीमांकन किए जाने एवं भूमि पर से अतिक्रमण हटाकर रास्ता खुलवाने के संबंध में आवेदन दिया।

तवा नदी के रेत में 1200 किलोग्राम अवैध लावारिस महुआ लहान नष्ट एवं लगभग 95 लीटर हाथ भट्टी महुआ शराब लावारिस अवस्था में जप्त, कीमत लगभग 1,10,000

प्रदीप गुप्ता/ नर्मदापुरम। 13 /12 /2022 को कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के निर्देशन में एवं जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर के मार्गदर्शन में प्रदेश में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत मुखबिर से सूचना प्राप्त कर माखन नगर क्षेत्र के ग्राम कीर पुरा के किनारे दबिश कार्यवाही की गयी। जिसमे तवा नदी के रेत में लावारिस अवस्था में झाड़ियों के अंदर छुपा कर रखे गए लगभग 1200 किलोग्राम महुआ लहान को बरामद कर मौके पर नष्ट किया गया एवं अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34 के अंतर्गत प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया, आरोपियों की तलाश जारी है। जप्त महुआ लाहन एवं मदिरा की कुल कीमत लगभग 1,10,000 आंकी गई है। इसके साथ साथ आबकारी वृत नर्मदापुरम बी के द्वारा अवैध मदिरा परिवहन ,संग्रहण, विक्रय एवं निर्माण के खिलाफ आगामी दिवसों में भी मुखबिरों से सूचनाएं प्राप्त कर कार्यवाही की जाएगी । आज की इस कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक वृत नर्मदापुरम बी वासुदेवाचार्य त्रिपाठी, आबकारी आरक्षक विकास लोखंडे का विशेष योगदान था।

लाड़ली लक्ष्मी योजना बनी मददगार

इंजीनियर बनना चाहती हैं नर्मदापुरम की नेहा चौरे

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश राज्य सरकार द्वारा संचालित लाडली लक्ष्मी योजना योजना से लाभान्वित हो प्रदेश की बालिकाएं अपने उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य की ओर आगे बढ़ रही हैं। ऐसी ही बालिका है नर्मदापुरम जिले के ग्राम देशमोहिनी के मनमोहन एवं निधि चोरे की बेटी नेहा चोरे। कु. नेहा योजना का लाभ लेकर अच्छे से अपनी शिक्षा पूरी कर रही हैं। वे आगे इंजीनियर बनकर अपने सपने को पूरा करना चाहती हैं। नेहा के सपनों को पूरा करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सभी व्यवस्थाएं की गई है। योजना के तहत कु नेहा को 1 लाख 43 हजार का आश्वासन प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। जिसकी राशि विभिन्न चरणों में नेहा को प्रदान की जाएगी। कु. नेहा को योजना के तहत को कक्षा छठवीं में प्रवेश लेते समय 2000 रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। इसी तरह कक्षा 9 वी में प्रवेश लेते समय 4000 की राशि लाडली लक्ष्मी छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान की जाएगी। कु नेहा के माता-पिता आर्थिक रूप से कमजोर हैं ऐसे में शिक्षा से संबंधित खर्च में इस छात्रवृत्ति से पर्याप्त सहायता मिल जाती है। नेहा ने बताया कि उसका सपना है कि वे बड़े होकर इंजीनियर बने। वे बताती हैं कि मेरी पढ़ाई में लाडली लक्ष्मी योजना से मिलने वाली छात्रवृत्ति का बहुत मददगार है।

स्वात्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-प्रताप सिंह वर्मा के लिए ''दिशागोचर प्रकाशन'', 26 बी, प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी.नगर, ज़ोन-1 भोपाल से मुद्रित एवं लाइफ लाइन भवन शिवराजपुरी कॉलोनी इटारसी जिला नर्मदापुरम 461111 म.प्र. इटारसी से प्रकाशित किया। नोट:- सभी विवादों के निराकरण के लिए न्यायक्षेत्र नर्मदापुरम जिला न्यायालय रहेगा। मोबाइल नं-: 7974372722